

# शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार पिछड़ रहे हैं हमारे संस्थान : प्रो. कौशिक

नैक ने खुद मानी कमी, जीजेयू में आयोजित सेमिनार में शैक्षणिक स्तर सुधारने पर जोर दिया

■ देश की यूनिवर्सिटी वर्ल्ड की टॉप 200 यूनिवर्सिटी की लिस्ट में शामिल नहीं

भास्कर न्यूज़ | हितार

देश के शिक्षण संस्थान शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। सुविधाओं के आधार पर विश्वविद्यालयों को ग्रेड देने वाली संस्था राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद (नैक) खुद मानती है कि शिक्षा की गुणवत्ता लगातार कम होती जा रही है। देश की कोई भी यूनिवर्सिटी वर्ल्ड की टॉप 200 यूनिवर्सिटी की लिस्ट में शामिल नहीं है। जीजेयू में गुरुवार को शुरू हुए 'इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन : द रोड अहेड' विषय पर आधारित दो दिवसीय सेमिनार में नैक की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रोफेसर आरपी कौशिक ने एजुकेशन के स्टैंडर्ड सुधारने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ने पर गहरी चिंता जाहिर की।

जीजेयू के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल और नैक (बंगलुरु) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग ढाई सौ प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण के साथ हुआ।

प्रो. कौशिक ने कहा कि गुणवत्ता आधारित शिक्षा का ढांचा विकसित किए बिना दुनिया में भारत के शैक्षणिक परचम को लहराना संभव नहीं है। उन्होंने वर्तमान समय में गुणवत्ता आधारित शिक्षा के समक्ष चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती विश्व

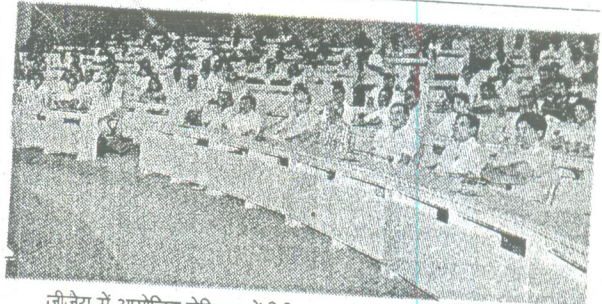


सेमिनार का शुभारंभ करते प्रो. आरपी कौशिक। साथ हैं वीसी डॉ. एमएल रंगा, रजिस्ट्रार प्रो. आरएस जागलान व अन्य।

स्तरीय प्रतियोगी हालातों में उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए ढांचा विकसित करना, शोध व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करना है। इसके अलावा मानवीय मूल्यों व राष्ट्र विकास की धारणा को बचाए रखना भी आज के दौर में एक चुनौती है। इसे केवल क्वालिटी एजुकेशन से हासिल किया जा सकता है।

## अपने सम्मान के साथ जोड़नी होगी ग्रेडिंग

जीजेयू के कुलपति डॉ. एमएल रंगा ने कहा कि शैक्षणिक स्तर को सुधारने के लिए हमें खुद आगे आना होगा। शिक्षण संस्थानों की ग्रेडिंग हमारे सम्मान से जुड़ जानी चाहिए, ताकि हम और अधिक मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकें। इसके लिए बुद्धिजीवी लोगों को आगे आना होगा ताकि एक साथ बैठक कर



जीजेयू में आयोजित सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रतिनिधि।

शैक्षणिक समस्याओं को दूर करने पर विचार करते हुए उचित योजनाएं बनाई जा सकें।

रजिस्ट्रार प्रो. आरएस जागलान ने कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं में विषय विशेषज्ञों को बुलाकर स्टूडेंट्स से उनके विचार सांझा कराए जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों में आगे बढ़ने की ललक पैदा हो सके। उन्होंने गुणवत्ता आधारित शिक्षा के लक्ष्य को

पाने के लिए आने वाली चुनौतियों का जिक्र भी किया। कार्यशाला के निदेशक प्रो. कर्मपाल ने कार्यशाला के विषय व उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंच संचालन कार्यशाला के संयोजक संजय सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. महेश कुमार द्वारा लिखित एलिमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कौशिक

30.08.2013



# 'Indian varsities lack international standards'

**HISAR:** A two-day workshop on emerging trends in quality education concluded at the Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST) here on Friday.

Prof RP Kaushik, former Indian ambassador to Turkmenistan and member of the executive committee of National Assessment Accreditation Council (NAAC), Bangalore, was the chief guest on the occasion.

Kaushik said: "Quality is the backbone of any education system. It is unfortunate that Indian universities lack international standards and none of our university is among 200 top universities of the world."

He said universities needed to adopt modern learning tools to ensure that each institution had a safe, healthy, energising, intellectually challenging and joyful learning environment.

The workshop was organised by the internal quality assurance cell (IQAC) of the university in collaboration with the NAAC.

Nearly 250 delegates from

Haryana, Himachal Pradesh, New Delhi and Uttar Pradesh attended the workshop where a textbook "Elements of Mechanical Engineering", written by Mahesh Kumar of mechanical engineering department the university, was also released.

University vice-chancellor ML Ranga said: "Regular introspection of our teaching, research methodology and curriculum can go a long way in making our learning process more relevant and dynamic in the wake of changing times."

Registrar Prof RS Jaglan said academicians needed to understand the fundamental nature of the evolutionary character of higher education in academic curriculum, empowering students and scholars to create an updated learning process that was pragmatic, effective and methodical. Academic affairs dean Prof MS Turan said higher education was a dynamic and continuously evolving concept that adapted to the most up-to-date changes.

**HTC**



## गुणवत्ता आधारित शिक्षा का ढांचा विकसित हो : प्रो. कौशिक



हिसार : दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ करते मुख्यातिथि प्रो. आरपी कौशिक व कुलपति डॉ. एमएल रंगा।

जागरण संवाद केंद्र, हिसार : जीजेयू के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल द्वारा राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद बैंगलुरु के सौजन्य से बृहस्पतिवार को इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन द रोड अहेड विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन तुर्कमेनिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत व राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद बैंगलुरु की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. आरपी कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एमएल रंगा कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो. आरपी कौशिक ने कहा कि एक समय भारत का शैक्षणिक मानचित्र तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों से सुसज्जित था। जहां से पूरी दुनिया से शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। आज स्थिति ये हो गई है कि भारत के एक भी विश्वविद्यालय का स्थान दुनिया के प्रथम दो सौ विश्वविद्यालयों में नहीं है। ये चिंता का विषय है। गुणवत्ता आधारित शिक्षा का ढांचा विकसित किए बिना दुनिया में भारत के शैक्षणिक परचम को फिर से लहराना संभव नहीं है। प्रो. कौशिक ने वर्तमान समय में गुणवत्ता आधारित शिक्षा के समक्ष चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती विश्व स्तरीय प्रतियोगी हालातों में उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए ढांचा विकसित करना, शोध व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करना है। मानवीय मूल्यों व राष्ट्र विकास की धारणा को बचाए रखना भी आज के दौर में एक चुनौती है।

विश्वविद्यालय कुलपति डा. एमएल रंगा ने कहा कि आज समय है यह सोचने का कि शिक्षा के क्षेत्र भारत क्या था और आज कहा है। आगे कहा जा रहे हैं। समृद्ध शैक्षणिक ढांचे वाले देश के माहौल के कमजोर होने के कारणों को हमें पहचानना होगा। मंच संचालन कार्यशाला के संयोजक संजय सिंह ने किया। इस अवसर पर डा. महेश कुमार द्वारा लिखित एलिमेंट ऑफ मैकनिकल इंजीनियरिंग पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

6/7th 5/11/2013

30-8-2013

कार्यशाला | जीजेयू में 'इमर्जिंग ट्रेण्ड्स इन क्वालिटी एजुकेशन : द रोड अहेड' पर कार्यशाला शुरू

# गुणात्मक शिक्षा पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल द्वारा राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद, बंगलूरु के सौजन्य से गुरुवार को 'इमर्जिंग ट्रेण्ड्स इन क्वालिटी एजुकेशन : द रोड अहेड' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन तुर्कमेनिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत व राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं



मूल्यांकन परिषद, बंगलूरु की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. आरपी कौशिक ने किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा.

एम.एल. रंगा कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो.आरपी कौशिक ने कहा कि एक समय भारत का शैक्षणिक मानचित्र तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों से सुसज्जित था, जहां से पूरी दुनिया से शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। आज स्थिति ये हो गई है कि भारत के एक भी विश्वविद्यालय का स्थान दुनिया के प्रथम दो सौ विश्वविद्यालयों में नहीं है। ये

चिंता का विषय है। गुणवत्ता आधारित शिक्षा का ढांचा विकसित किए बिना दुनिया में भारत के शैक्षणिक परचम को फिर से लहराना संभव नहीं है। प्रो. कौशिक ने वर्तमान समय में गुणवत्ता आधारित शिक्षा के समक्ष चुनौतियों का भी जिक्र किया। सबसे बड़ी चुनौती विश्व स्तरीय प्रतियोगी हालातों में उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए ढांचा विकसित करना, शोध व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करना है।

हरिभूमि

30-8-2013

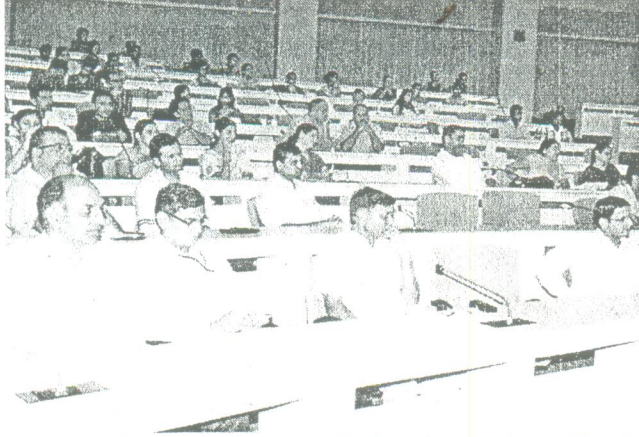
## 'इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन' पर सेमिनार

हिसार (ब्यूरो)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के इंटरनल क्वालिटी इंश्योरेंस सेल की ओर से राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद, बंगलूरु के सौजन्य से वीरवार को 'इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन द रोड अहेड' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन तुर्कमेनिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत व राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद बंगलूरु की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. आरपी कौशिक ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एमएल रंगा ने की। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. आरपी कौशिक ने कहा कि एक समय भारत का शैक्षणिक मानचित्र तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों से सुसज्जित था, जहां से पूरी दुनिया से शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। आज स्थिति यह हो गई है कि भारत के एक भी विश्वविद्यालय का स्थान दुनिया के प्रथम 200 विश्वविद्यालयों में नहीं है, जो कि चिंता का विषय है।

रूपर उजाला

30. 8, 2013

# विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं को निभानी होगी अग्रणी भूमिका



हिसार. गुजवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी।

हिसार/30 अगस्त/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल द्वारा राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद्, बंगलूरु के सौजन्य से आयोजित 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन क्वालिटी एजुकेशन : द रोड अहेड' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि उच्च शिक्षा में शोध का एक

विशेष स्थान है। आज समय की मांग है कि शोधकर्ता उच्चकोटि के शोधकार्य करें जिससे विषय विशेष में ज्ञान की वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों व शोध संस्थाओं को अग्रणी भूमिका निभानी होगी। विद्यार्थी भी उन्हीं शोध संस्थाओं व विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना पसंद करते हैं जहां पर समय के मुताबिक शिक्षा उपलब्ध हो और उगाकोटि का शोध कार्य होता हो। कार्यशाला निदेशक प्रो. कर्मपाल नारवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए बड़ी गर्व की बात है कि पिछले 18 सालों में विश्वविद्यालय के अध्यापकों व शोधकर्ताओं के शोध पत्र 2395 बार विश्व के विभिन्न शोध पत्रिकाओं में हवाला दिया गया है।

रिपोर्टर 30-8-2013



## 'उच्च शिक्षा में शोध का विशेष स्थान'

जागरण संवाद केंद्र, हिसार जीजेयू के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेस सेल द्वारा राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद बंगलुरु के सोजन्य से आयोजित इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन द रोड अहेड विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई। कार्यशाला में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में दस तकनीकी सत्र हुए। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एमएस तुरान ने कहा कि उच्च शिक्षा में शोध का एक विशेष स्थान है। प्रो. कुलदीप बंसल ने कहा कि देश में विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं। कार्यशाला निदेशक प्रो. कर्मपाल नारवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए बड़ी गर्व की बात है कि पिछले 18 सालों में विश्वविद्यालय के अध्यापकों व शोधकर्ताओं के शोध पत्र 2395 बार विश्व के विभिन्न शोध पत्रिकाओं में हवाला दिया गया है। संजय सिंह ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के प्रो. एमएम गोयल व प्रो. बीएस चौधरी, पंजाब विश्वविद्यालय पटियाला के प्रो. जेएस पसरीजा, बिटस पिलानी के प्रो. आरएन साहा, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के प्रो. शाहिद अहमद, एपीएसई गुडगांव के प्रो. एचएल वर्मा, दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रो. वाईस चांसलर के प्रो. मोय दीन व जीजेयू के प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. एससी कुण्डू, प्रो. बीके पुनिया आदि मौजूद थे।

दिनांक 5/10/2013

5/10/2013

# GJU organises workshop on quality education

DEEPENDER DESWAL  
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 2

Emphasising the need for quality in higher education, the former Ambassador of India to Turkmenistan and member of the Executive Committee of National Assessment Accreditation Council (NAAC), Prof RP Kaushik said quality is the backbone of any education system.

Inaugurating the national workshop in the Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST) in Hisar, Prof Kaushik said the quality of citizens depend on the education system of the nation which in turn was determined by the quality of teachers.

He was the chief guest at the inaugural function of the workshop on "Emerging Trends in Quality Education: The Road Ahead" at the university campus, recently.

Prof Kaushik said the country has been moving toward becoming an educational hub and the universities need to adopt modern learning tools to ensure that each institution has a safe, healthy, energising, intellectually challenging and joyful learning environment.



Prof RP Kaushik inaugurates a workshop on quality in education, organised by the Internal Quality Assurance Cell of the GJUST, Hisar. A Tribune photograph.

Vice-Chancellor Dr ML Ranga said regular introspection of teaching, research methodology and curriculum could go a long way in making the learning process more relevant and dynamic in the wake of changing times.

The workshop was organised by the Internal Quality

Assurance Cell (IQAC) of the university in collaboration with National Assessment Accreditation Council (NAAC), Bengaluru.

Director IQAC of the university Prof Karam Pal Narwal was the workshop director and Sanjay Singh was the organising secretary of the workshop.

About 250 delegates from Haryana, Himachal Pradesh, New Delhi, UP attended the workshop. A text book titled Elements of Mechanical Engineering, written by Dr Mahesh Kumar of the Department of Mechanical Engineering was also released on the occasion.

Registrar Prof RS Jaglan

said academicians need to understand the fundamental nature of the evolutionary character of higher education in academic curriculum. They should also empower students and scholars to create an updated learning process that was pragmatic, effective and methodical.

The Tribune 3-9-2013

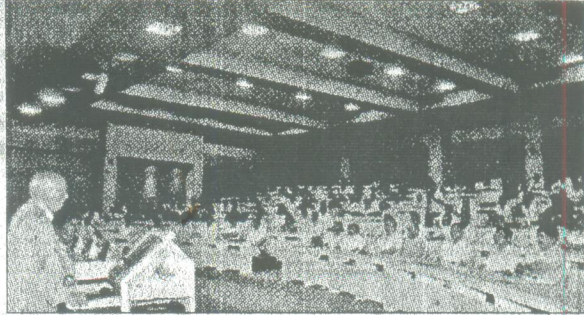


# तुर्कमेनिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत ने गिरते शैक्षणिक स्तर पर चिंता जताई

गुजवि में आयोजित कार्यशाला में पहुंचे थे पूर्व राजदूत कौशिक

हिंसार, 29 अगस्त (ब्यूरो): राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद, बंगलूरु के सौजन्य से गुजवि के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल द्वारा गुरुवार को 'इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन, द रोड अहेड' विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। पहले दिन कार्यशाला उद्घाटन तुर्कमेनिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत व राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद, बंगलूरु की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. आर.पी. कौशिक ने किया।

प्रो. आर.पी. कौशिक ने कहा कि एक समय भारत का शैक्षणिक मानचित्र तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों से सुसज्जित था। जहां से पूरी दुनिया से शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। आज स्थिति ये हो गई है कि भारत के एक भी विश्वविद्यालय का स्थान दुनिया के प्रथम 200 विश्वविद्यालयों में नहीं है। जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती विश्व स्तरीय प्रतियोगी हालातों में उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए ढांचों विकसित करना, शोध व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करना है। मानवीय मूल्यों व राष्ट्र विकास की धारणा को बचाए रखना भी आज के दौर में एक चुनौती है। अपने अभ्यक्षीय भाषण में गुजवि कुलपति डा. एम.एल. रंगा ने कहा कि किसी समय समृद्ध शैक्षणिक ढांचे



गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्वालिटी एजुकेशन, द रोड अहेड' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. कौशिक।

वाले हमारे देश में अब शिक्षा के कमजोर होने के कारणों को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षण संस्थानों की ग्रेडिंग शिक्षकों के सम्मान से जुड़ जानी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे एक साथ बैठकर शैक्षणिक समस्याओं पर विचार करें क्योंकि आज गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.एस. जागलान ने कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं में हर स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए। विषय विशेषज्ञों को बुलाकर विद्यार्थियों से उनके विचार साझा करवाए जाने चाहिए ताकि विद्यार्थियों में आगे बढ़ने की ललक पैदा हो सके। उन्होंने गुणवत्ता आधारित शिक्षा के लक्ष्य को पाने के लिए आने वाली चुनौतियों का जिक्र भी किया। कार्यशाला के निदेशक प्रो. कर्मपाल ने कार्यशाला के विषय व

उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। डॉन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एम.एस. तुरण ने कहा कि शिक्षा समाज के उत्थान के लिए आवश्यक है और गुणवत्ता आधारित शिक्षा से समाज व देश का हित होता है। कार्यशाला के संयोजक संजय सिंह ने मंच संचालन किया। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पंजाब कैंसरी, हिंसार